सीबकथॉर्न और हमिलयन टार्टरी बकव्हीट

[स्रोत:TH]

लद्दाख से [सीबकथॉर्न] **और हमिलयन टार्टरी बकव्हीट** के बीजों को [NASA] के **क्रू-11 मिशन** द्वारा अंतर्राष्ट्रीय **अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** पर भेजा गया है। यह **"इमर्जगि स्पेस नेशंस का स्पेस फॉर एग्रीकल्चर एंड एग्रीकल्चर फॉर स्पेस"** पेलोड का हिस्सा है।

- इन बीजों को **नासा के क्रू-10 मिशन** के साथ पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा। इस प्रयोग का उद्देश्य अंतरिक्ष और पृथ्वी दोनों के लिये सहनशील फसलों का विकास करना है, जो **वैज्ञानिक अनुसंधान** को पारंपरिक कृषि ज्ञान के साथ जोड़ता है।
- **सीबकथॉर्न (Hippophae rhamnoides L.)**: इसे **"वंडर प्लांट" या "लद्दाख का सोना"** भी कहा जाता है। यह एक **कठोर, सूखा-प्रतिरोधी झाड़ी** है जो यूरोप और एशिया के ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों, विशेषकर हिमालय में पाई जाती है।
  - यह **–43°C से +40°C** तक के अत्यधिक तापमान को सहन कर सकती है, वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करती है तथा मृदा कटाव और मरुस्थलीकरण को रोकने में सहायक होती है।
  - परंपरागत रूप से, इस पौधे के सभी भाग **(फल, पत्तियां, जड़ें, काँटे)** औषधि, पोषण, ईंधन और बाड़ के रूप में उपयोग किये जाते हैं।
- **हमिलयन टार्टरी बकव्हीट**: इसे **चीन, भूटान, उत्तरी भारत, नेपाल और मध्य यूरोप** में उगाया जाता है। यह **अत्यधिक ठंड और सूखे के प्रति अधिक प्रतिरोधक क्षमता** के लिये जाना जाता है।
- इसमें **रेजिस्टेंट स्टार्च, प्रोटीन, खनिज और फिनोलिक** यौगिक पाए जाते हैं, जो उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद करते हैं।

और पढ़ें: [लद्दाख सी बकथॉर्न और केरल ओनाट्टुकारा तिल]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/seabuckthorn-and-himalayan-tartary-buckwheat